

2018

CBCS

1st Semester

SANSKRIT

PAPER—GE1T

(Honours)

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

*The figures in the right-hand margin indicate full marks.*

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

*Illustrate the answers wherever necessary.*

1. दश प्रश्नाः समाधेयाः। उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च देयम् -  
10×2

যেকোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখ।

(क) अस्मद् युष्मच्छब्दयोः पञ्चमीबहुवचनस्य रूपं लिखत।

অস্মদ্ ও যুস্মদ্ শব্দের পঞ্চমী বহুবচনের রূপ লেখ।

(Turn Over)

(ख) सम्प्रदानापादानकारकयोः एकैकमुदाहरणं दत्त।

सम्प्रदानं ও অপাদান কারকের একটি করে উদাহরণ দাও।

(ग) निम्नोक्तशब्दानाम् उपयुक्तं रूपं गृहीत्वा एकं वाक्यं रचयत  
(अस्मद्, पुस्तक, पठ) -

বন্ধনী মধ্যস্থ শব্দগুলির উপযুক্ত রূপ চয়ন করে একটি বাক্য রচনা কর।

(अस्मद्, पुस्तक, पठ)

(घ) 'छात्रः पुस्तकं पठति' इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य कारकं विभक्तिं च  
निर्णयत।

'ছাত্রঃ পুস্তকং পঠতি' এই বাক্যের রেখাঙ্কিত পদের কারক ও বিভক্তি  
নির্ণয় কর।

(ङ) 'पति' शब्दस्य 'साधु' शब्दस्य च चतुर्थ्या एकवचनस्य रूपं लिखत।

'পতি' ও 'সাধু' শব্দের চতুর্থী একবচনের রূপ লেখ।

(च) 'वाक्' शब्दस्य 'नदी' शब्दस्य च षष्ठ्या एकवचनस्य रूपं लिखत।

'বাক্' ও 'নদী' শব্দের ষষ্ঠী একবচনের রূপ লেখ।

(छ) बन्धनीस्थधातुशब्दयोः उचितं प्रयोगं कृत्वा शून्यस्थानं पूरयत।

\_\_\_\_\_ (तद्) बालिका फलं \_\_\_\_\_ (खाद्-लुट्)

बन्धनी मध्यस्थ धातु ओ शब्दरूप उपयुक्त प्रयोग करे शून्यस्थान पूरण कर।

\_\_\_\_\_ (तद्) बालिका फलं \_\_\_\_\_ (खाद्-लुट्)।

(ज) सन्धिं कुरुत - (i) पौ + अकः (ii) अहः + गणः।

सन्धि कर : (i) पौ + अकः (ii) अहः + गणः।

(झ) सन्धिविच्छेदं कुरुत - (i) नयनम् (ii) पतिरुवाच।

सन्धिविच्छेद कर : (i) नयनम् (ii) पतिरुवाच।

(ञ) परिणतरूपं लिखत - (i) पठ् + शतृ (ii) खाद् + क्त।

परिणतरूप लेख : (i) पठ् + शतृ (ii) खाद् + क्त।

(ट) प्रकृतिप्रत्ययौ प्रदर्शयत - (i) आगम्य (ii) गन्तुम्।

प्रकृतिप्रत्यय निरूपण कर : (i) आगम्य (ii) गन्तुम्।

(ठ) क्तप्रत्ययं संयोज्य वाक्यमिदं कर्मवाच्ये परिणयत।

(छात्रः विद्यालयम् अगच्छत्)

निम्नेक वाक्याटि, क्त प्रताय योगे कर्मवाच्ये परिणत कर :

(छात्रः विद्यालयम् अगच्छत्)

(ड) श्रीमद्भगवद्गीता केन विरचिता ? अस्मिन् ग्रन्थे कति अध्यायाः सन्ति ?

श्रीमद्भगवद्गीतार रचयिता के ? এই গ্রন্থে কয়টি অধ্যায় আছে ?

(ढ) श्रीमद्भगवद्गीतायाः नामान्तरं किम् ? द्वादशाध्यायस्य नाम किम् ?

श्रीमद्भगवद्गीतार अपर नाम कि ? द्वादश अध्यायैर नाम कि ?

(ण) श्रीमद्भगवद्गीतायाः कः वक्ता कश्च श्रोता ?

श्रीमद्भगवद्गीतार वक्ता ओ श्रोता के ?

2. चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। एकस्य प्रश्नस्य उत्तरम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च देयम्।

4x5

যেকোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। একটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃতভাষা ও দেবনাগরী লিপিতে দিতে হবে।

(ক) 'আত্মন্' শব্দস্য অথবা 'মনস্' শব্দস্য প্রথমা-দ্বিতীয়া-তৃতীয়াবিভক্তিণাং সর্বাণি রূপাণি লিখত।

'আত্মন্' শব্দের অথবা 'মনস্' শব্দের প্রথমা, দ্বিতীয়া ও তৃতীয়া বিভক্তির সমস্ত রূপ লেখ।

(খ) একস্য ধাতো: লঙ্ লকারস্য সর্বাণি রূপাণি লিখত (দা, কৃ, জ্ঞা)।

বন্ধনীমধ্যস্থ যেকোনো একটি ধাতুর লঙ্ লকারের সমস্ত রূপ লেখ (দা, কৃ, জ্ঞা)।

(গ) একস্য ধাতো: লট্ লকারস্য সর্বাণি রূপাণি লিখত। (সেব্, লম্)।

বন্ধনীমধ্যস্থ যেকোনো একটি ধাতুর লট্ লকারের সমস্ত রূপ লেখ (সেব্, লম্)।

(ঘ) সংস্কৃতেন অনুবাদং কুরুত -

সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ কর :

(i) আমার পুত্র সেই ফলটি খাচ্ছে।

(ii) ছাত্ররা মহাবিদ্যালয়ে গিয়েছিল।

(ड) श्लोकमिदं व्याख्यात -

मध्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।  
श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्ततमा मताः॥

निम्नोक्त श्लोकটি ব্যাখ্যা কর :

मध्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।

श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्ततमा मताः॥

(घ) 'ते प्राप्नुवन्ति मामेव' इति कः कमुक्तवान् ? 'ते' इत्यनेन के बोध्यन्ते ?

'ते प्राप्नुवन्ति मामेव' এই বাক্যটি কে কাকে বলেছে? এই শব্দের দ্বারা কারদের বোঝানো হয়েছে?

3. द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं दत्त -

2×10

যেকোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) कारकं कतिविधम् ? सोदाहरणं तेषां परिचयं दत्त।

কারক কয় প্রকার? উদাহরণসহ তাদের পরিচয় দাও। 2+8

(ख) सन्धिः कतिविधः ? तेषां नामानि उदाहरणानि च विलिख्य कस्मिन् क्षेत्रे सन्धिः नित्यः इति आलोचयत।

সন্ধি কয়প্রকার? তাদের নাম ও উদাহরণ লিখে কোন কোন ক্ষেত্রে সন্ধি  
নিত্য আলোচনা কর।

1+2+2+5

- (গ) 'যো মদমক্তঃ স মে প্রিয়ঃ' ইতি বচনং কঃ কন্ উক্তবান্ ? কীদৃশাঃ  
মক্তাঃ তস্য প্রিয়াঃ भवन्तीति श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं प्रतिपादयत।  
'যো মদমক্তঃ স মে প্রিয়ঃ' এই কথাটি কে কাকে বলেছেন? কীদৃশ ভক্ত  
তার প্রিয় তা শ্রীমদ্ভগবদ্গীতানুসারে প্রতিপাদন কর।
- (ঘ) 'গীতা সুগীতা কর্তব্য' ইত্যুক্তে: यथार्थतां प्रतिपादयत।  
'গীতা সুগীতা কর্তব্য' উক্তিটির যথার্থতা প্রতিপাদন কর।